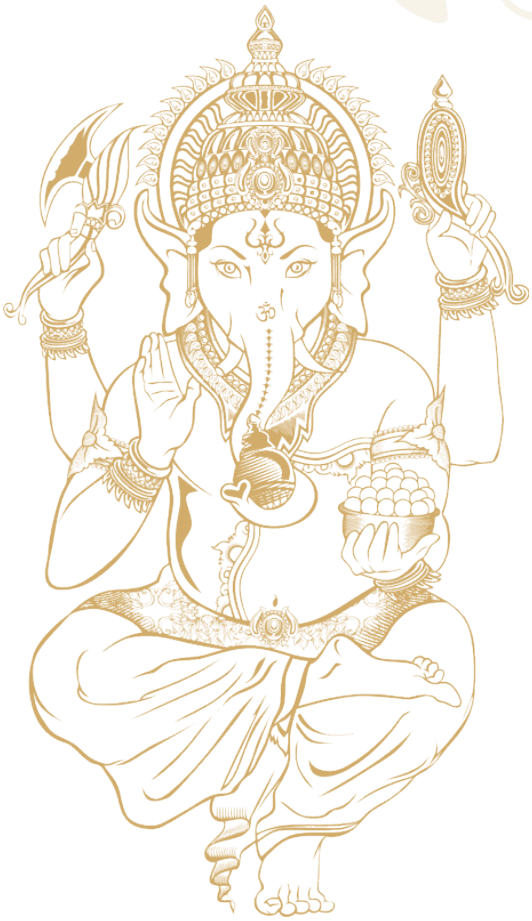

Mr.gourav

Ms.Aparna

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119974601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119974601 Date: 01/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14-15/11/1989	जन्म तिथि	26-27/06/1992
मंगल-बुधवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 04:30:00	जन्म समय	03:30:00 घंटे
घटी 55:38:50	जन्म समय(घटी)	55:13:15 घटी
India	देश	India
Bhilai	स्थान	Ranchi
21:13:00 उत्तर	अक्षांश	23:22:00 उत्तर
81:26:00 पूर्व	रेखांश	85:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:16	स्थानिक संस्कार	00:11:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:27	सूर्योदय	05:04:36
17:22:55	सूर्यास्त	18:38:21
23:43:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:25
तुला	लग्न	वृष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृष	राशि	मेष
शुक्र	राशि-स्वामी	मंगल
रोहिणी	नक्षत्र	भरणी
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	4
शिव	योग	धृति
वणिज	करण	कौलव
वू-वुभेश	जन्म नामाक्षर	लो-लोचन
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	चतुष्पाद
सर्प	योनि	गज
मनुष्य	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मृग	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 0वर्ष 3मा 7दि		04:28:45	तुला	लग्न	वृष	18:31:16	शुक्र 3वर्ष 9मा 11दि	
गुरु		28:50:21	तुला	सूर्य	मिथु	11:45:31	राहु	
22/02/2015		22:58:15	वृष	चंद्र	मेष	24:08:46	08/04/2019	
22/02/2031		13:29:48	तुला	मंगल	मेष	15:12:20	08/04/2037	
गुरु	11/04/2017	01:17:03	वृश्चि	बुध	कर्क	05:49:56	राहु	20/12/2021
शनि	24/10/2019	16:40:47	मिथु व	गुरु	सिंह	15:22:11	गुरु	14/05/2024
बुध	29/01/2022	15:44:43	धनु	शुक्र	मिथु	15:23:19	शनि	21/03/2027
केतु	05/01/2023	16:46:50	धनु	शनि व	मक	24:03:11	बुध	08/10/2029
शुक्र	05/09/2025	27:09:02	मक व	राहु	धनु	06:56:07	केतु	26/10/2030
सूर्य	24/06/2026	27:09:02	कर्क व	केतु	मिथु	06:56:07	शुक्र	26/10/2033
चन्द्र	24/10/2027	09:21:52	धनु	हर्ष व	धनु	22:42:57	सूर्य	19/09/2034
मंगल	29/09/2028	16:41:13	धनु	नेप व	धनु	24:09:14	चन्द्र	20/03/2036
राहु	22/02/2031	21:41:35	तुला	प्लूटो व	तुला	26:41:58	मंगल	08/04/2037

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:43:05 चित्रपक्षीय अयनांश 23:45:25

लग्न-चलित

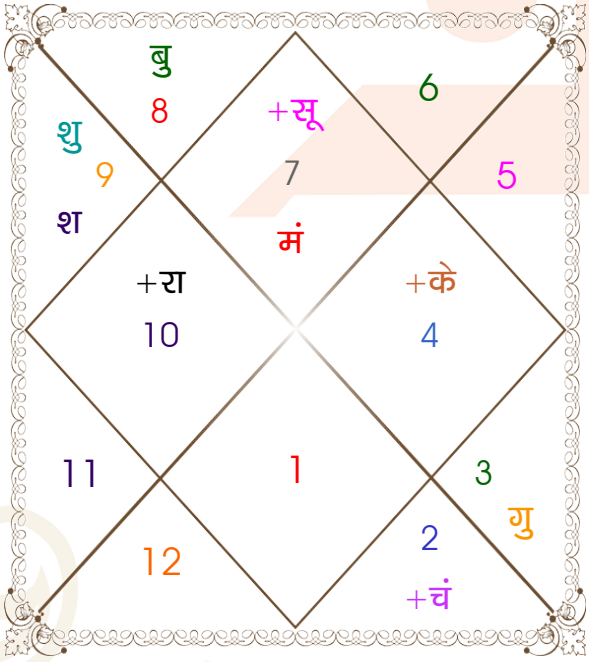

लग्न-चलित

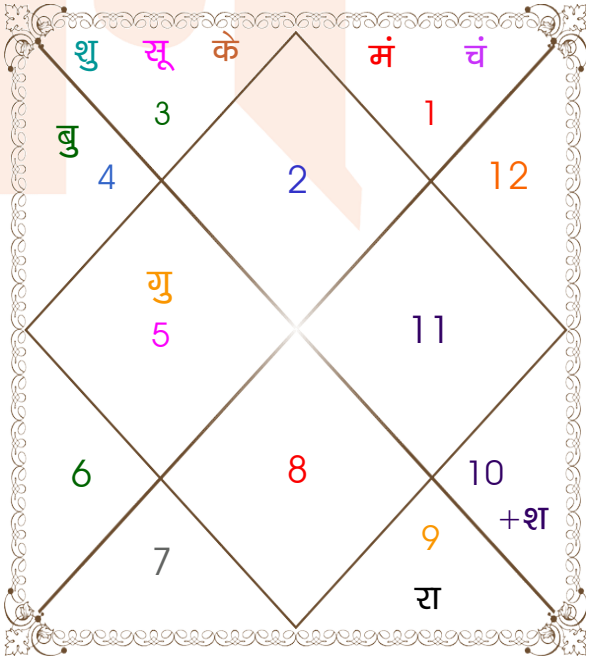

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

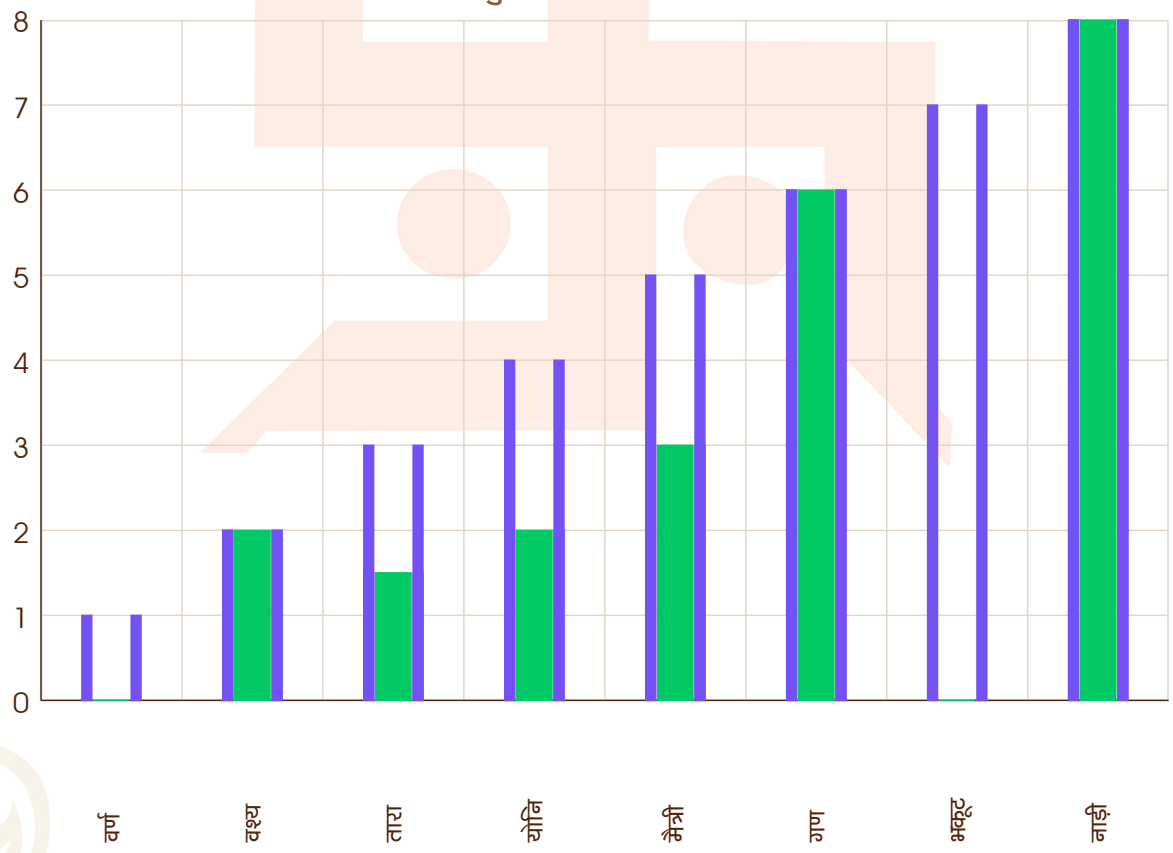

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

डतण्हवनतंअ का वर्ग मृग है तथा Ms.Aparna का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्हवनतंअ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है एवं चन्द्र से मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms.Aparna मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है एवं चन्द्र से मंगलीक है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

मंगल के मेष में होने के कारण मंगलीक दोष प्रभावहिन हो जाता है।

डतण्हवनतंअ तथा Ms.Aparna में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्हवनतंअ का वर्ण वैश्य है तथा Ms.Aparna का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Ms.Aparna का वर्ण डतण्हवनतंअ के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Ms.Aparna अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Ms.Aparna को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

डतण्हवनतंअ का वश्य चतुष्पद है एवं Ms.Aparna का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप डतण्हवनतंअ एवं Ms.Aparna दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

डतण्हवनतंअ की तारा विपत तथा Ms.Aparna की तारा मित्र है। डतण्हवनतंअ की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। डतण्हवनतंअ एवं डतण्हवनतंअ के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Ms.Aparna हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Ms.Aparna को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

डतण्हवनतंअ की योनि सर्प है तथा Ms.Aparna की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा

भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्हवनतंअ एवं Ms.Aparna दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्य म करना पड़ सकता है।

गण

डतण्हवनतंअ का गण मनुष्य तथा Ms.Aparna का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। ं तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

डतण्हवनतंअ से Ms.Aparna की राशि द्वादश भाव में स्थित है Ms.Aparna से डतण्हवनतंअ की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में डतण्हवनतंअ परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Ms.Aparna का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Ms.Aparna की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Ms.Aparna तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

डतण्हवनतंअ की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.Aparna की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna का मिलान उत्तम नहीं है क्योंकि उनकी स्वाभाविक प्रवृतियां नहीं मिलती है। डतण्हवनतंअ की भूमितत्व राशि वृष है जबकि Ms.Aparna की अग्नितत्व राशि मेष है। अतः इसके प्रभाव से डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna के मध्य विषमताएं अधिक रहेंगी। यदि परस्पर ये सामंजस्य को स्थापित कर सके तो किंचित अनुकूलता की अनुभूति हो सकती है।

डतण्हवनतंअ की राशि का स्वामी शुक्र तथा Ms.Aparna की राशि का स्वामी मंगल है तथा ये दोनों एक दूसरे के प्रति उदासीनता का भाव रखते है। राशि के प्रभाव से Ms.Aparna तेजस्वी, आवेगी, अपने को श्रेष्ठ समझने वाली बातूनी तथा आशावादी प्रवृति की होंगी परन्तु डतण्हवनतंअ व्यावहारिक गंभीर स्वपरिश्रम से कार्य करने वाले तथा निराशावादी प्रवृति से युक्त रहेंगे। अतः आपसी सामंजस्य से ही प्रवृतियों में समानता हो सकेगी।

डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष होता है। अतः इसके प्रभाव से डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna की आर्थिक स्थिति में प्रायः विषमता रहेगी जिससे मानसिक रूप से वे असन्तुष्ट एवं अप्रसन्न से रहेंगे। ऐसे समय में व्यावहारिक एवं बुद्धिमता से कार्यो को करना चाहिए इससे शुभ एवं अनुकूल फलों की प्राप्ति हो सकती है।

डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna दोनों का वश्य चतुष्पद है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियां समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी समानता रहेगी फलतः दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं परस्पर काम भावनाओं से शांति एवं सन्तुष्टि प्राप्त करने में भी सक्षम रहेंगे। डतण्हवनतंअ काम भावना को मानसिक तनाव से मुक्ति भावनात्मक एवं शारीरिक आवश्यकता महसूस करते है लेकिन Ms.Aparna एक सामान्य आवश्यकता समझकर इसको स्वीकार करेंगी।

डतण्हवनतंअ का वर्ण वैश्य तथा Ms.Aparna का वर्ण क्षत्रिय है। अतः डतण्हवनतंअ अपने कार्यो को व्यापारिक बुद्धि से सम्पन्न करेंगे तथा धनार्जन में विशेष रूचि प्रदर्शित करेंगे परन्तु Ms.Aparna के सभी कार्य पराक्रम साहस एवं तेजस्विता से सम्पन्न होंगे तथा स्वबाहुबल से कार्य क्षेत्र में उन्नति प्राप्त करेंगी।

धन

डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna दोनों की तारा सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा। साथ ही इनकी जन्म राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा मंगल का अशुभ प्रभाव भी Ms.Aparna की आर्थिक स्थिति पर रहेगा। इस प्रकार डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna का धनार्जन होता रहेगा लेकिन यदा कदा आर्थिक विषमता की स्थिति का उनको सामना करना

पड़ेगा।

भकूट दोष के प्रभाव से डतण्हवनतंअ की प्रवृति व्यसनी होगी। अतः जुआ या अन्य आदतों पर वे अनावश्यक व्यय करने में प्रवृत होंगे। साथ ही मंगल के अशुभ प्रभाव से Ms.Aparna की प्रवृति अधिक व्यय करने की रहेगी। अतः डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna दोनों को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

स्वास्थ्य

डतण्हवनतंअ अन्त्य तथा Ms.Aparna का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इन पर कोई प्रभाव नहीं रहेगा तथा जीवन में गभीर खतरों से ये सुरक्षित रहेंगे। लेकिन मंगल का डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे दोनों धातु या गुप्त संबधी रोगों से परेशानी की अनुभूति कर सकते है। साथ ही डतण्हवनतंअ की संभोग शक्ति में शिथिलता एवं हृदय संबंधी रोग भी उत्पन्न हो सकता है। उन्हें मूत्र संबंधी कष्ट की भी उन्हें प्राप्ति होगी जिससे दाम्पत्य जीवन में अनावश्यक कलह तथा अशांति होगी। अतः इसके प्रभाव को कम करने के लिए डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna को हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.Aparna के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.Aparna को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.Aparna को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार डतण्हवनतंअ और Ms.Aparna का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.Aparna के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही Ms.Aparna सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि Ms.Aparna किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी Ms.Aparna को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण Ms.Aparna के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

डतण्हवनतंअ की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। डतण्हवनतंअ सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही डतण्हवनतंअ का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी डतण्हवनतंअ के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। डतण्हवनतंअ भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण डतण्हवनतंअ के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।